भारत INDIA

कोचीन सिनागोग
चतुर्थ शताब्दी
स्मारक डाक-टिकट

COCHIN SYNAGOGUE
QUATER CENTENARY
COMMEMORATION STAMP

15-12-1968

भारत INDIA
20
पै.P
कोचीन सिनागोग
COCHIN SYNAGOGUE
·1568-1968·

कोचीन के यहूदी उपासना-गृह का चतुर्थ शताब्दी उत्सव

यह भारत के इतिहास का एक विशिष्ट पहलू है कि भारतीय संस्कृति अनेक युगों तक कितने ही प्रकार के विदेशी प्रभावों से मूलतः पोषित और समृद्ध हुई है। इतिहास साक्षी है कि दीर्घकाल तक विभिन्न जातियों के लोग भारत में आते रहे हैं। इनमें से कुछ ऐसे थे जो सिकन्दर के नेतृत्व में मेकेडोनिया निवासियों की तरह आए और थोड़े अर्से के लिए हावी हो गए। मुस्लिम काल में ये आन्दोलन लगभग एक सहस्राब्दि तक चले। इसके बाद यूरोप के लोग पहले व्यापारी और बाद में विजेताओं के रूप में आए जिसकी परिणति ब्रिटिश राज्य की स्थापना में हुई।

2. एक अन्य प्रकार का दोतरफ़ा शान्तिपूर्ण आन्दोलन भी चल रहा था जिसमें व्यापारिक, धार्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में आदान-प्रदान हुआ। इस प्रकार का मेल-जोल प्रायद्वीप के पूर्वी और पश्चिमी समुद्र-तट पर हुआ। बहुत पहले से ही आयोनियन और रोमन जहाज़ भारत के बन्दरगाहों पर नियमित रूप से आया करते थे। ऐसा विश्वास है कि केरल में रहने वाले यहूदी ईसा के 72वें वर्ष जेरूसलम में दूसरा मन्दिर नष्ट किये जाने के बाद भारत में आए थे। इससे यह पता चलता है कि उस समय तक भारत और भूमध्यसागर के बीच काफ़ी लम्बे अर्से से समुद्री संबंध बने रहे होंगे।

THE QUATER CENTENARY OF THE COCHIN SYNAGOGUE

A distinguishing feature of Indian history is that many foreign influences have through the ages sustained and enriched a basically Indian culture. People of many races have been coming into India throughout its long history. Some came and held brief sway like the Macedonians under Alexander. The Islamic era saw almost a millennium of such movements into the country. Europeans came next, first as traders and then as conquerors, culminating in the establishment of British rule.

2. There was another kind of peaceful two-way movement, comprising commercial, religious and cultural intercourse. This intercourse flourished on the eastern and western sea-boards of the peninsula. Right from the earliest times Ionian and Roman ships made regular visits to Indian sea-ports. The Jews in Kerala are believed to have reached India after the destruction of the second temple in Jerusalem in the year 72 A.D. This shows that by that time there must have been a long-established maritime link between India and the Mediterranean lands.

3. इस प्रकार वैविध्यपूर्ण भारतीय जीवन में एक और जातीय समूह की वृद्धि हुई। केरल में यहूदियों का पहला निश्चित ऐतिहासिक उल्लेख प्रसिद्ध यहूदी ताम्रपत्रों पर मिलता है जिनमें इस बात का उल्लेख है कि एक स्थानीय शासक ने बाहर से आकर बसने वाले यहूदियों को एक गाँव भेंट किया था। इन ताम्रपत्रों की तिथि के संबंध में किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सका, किन्तु यह सम्भवतः ईसा के 1000 वर्ष बाद के हैं। 15वीं शताब्दी तक यहूदी विदेशों से क्रंगनोर के निकट स्थित समृद्ध यहूदी बस्ती में समय-समय पर आते रहे हैं। किन्तु इसके बाद अन्य ताकतों जैसे कि मूर और पुर्त्तगालियों का उदय हुआ जिन्होंने 16वीं शताब्दी में इसे नष्ट कर दिया। तत्पश्चात् यहूदियों ने कोचीन में आश्रय चाहा और वहाँ के हिन्दू शासक ने उनके बसने के लिए स्थान दिया। इसी स्थान पर सन् 1567 में यहूदी नगर का निर्माण हुआ और अगले वर्ष उपासना-गृह का।

4. यहूदियों जैसा बहुधा उत्पीड़ित सम्प्रदाय भारत में शान्तिपूर्ण आश्रय पा सका, यह तथ्य इस बात का प्रतीक है कि हमारे राज्य का स्वरूप धर्म-निरपेक्ष है जिसमें रंग, धर्म और जाति-भेद होते हुए भी सभी सम्प्रदाय फल-फूल सकते हैं। कोचीन उपासना-गृह के चतुर्थ शताब्दी समारोह के अवसर पर डाक-टिकट जारी करके डाक-तार विभाग इसमें शरीक होने पर प्रसन्नता का अनुभव करता है।

3. Thus was woven into the multi-coloured fabric of Indian life still another ethnic group. The first definite historical mention of the Jews in Kerala occurs in the famous Jewish copper plates on which is recorded the gift of a village from a local ruler to the settlers. The date of these copper plates is not finally settled, but probably they pertain to the period around 1000 A.D. Till the 15th century, Jews from abroad periodically visited this prosperous settlement near Cranganore. But other forces like the Moors and the Portuguese came on the scene and destroyed it in the 16th century. The Jews then sought refuge in Cochin whose Hindu ruler granted them a site for habitation. Here was built the Jew Town in 1567 and the Synagogue the next year.

4. The fact that an oft-persecuted community like the Jews could find peaceful asylum in India symbolises the secular character of our State where all communities can flourish regardless of colour, creed or race. The P & T Department is happy to associate itself with the four-hundredth anniversary celebrations of the Cochin Synagogue by issuing a commemorative postage stamp on the occasion.

डिज़ाइन का विवरण

टिकट खड़ी डिज़ाइन का है और उस पर यहूदियों के धार्मिक स्थान–सिनागोग का भीतरी दृश्य चित्रित है।

Description of Design

The design of the stamp is vertical and depicts inner view of a synagogue—a worship place of Jewish People.

बिक्री की शर्तें

यदि विदेशों से नये डाक-टिकट व प्रथम दिवस आवरण भेजने के माँग पत्र डाक-तार विभाग के पास भेजे जाएँ तो उन्हें भारतीय डाक-टिकट संकलन ब्यूरो, बड़ा डाकघर, बम्बई के पते पर भेजा जाना चाहिए और उनके साथ भारत में भुनाया जा सकने वाला बैंक ड्राफ्ट या रेखांकित चेक भी भेजा जाना चाहिए।

TERMS OF SALE

Overseas orders, if placed with the P. and T. Department, for the supply of the new stamps and First Day Covers should be addressed to the *Indian Philatelic Bureau, G.P.O.*, Bombay and be accompanied by a bank draft or crossed cheque encashable in India.

तकनीकी आँकड़े
TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख Date of Issue	... 15-12-1968
मूल्य वर्ग Denomination	... 20 पै० P.
कुल आकार Overall Size	... 3.91×2.90 सें० मी० cms.
मुद्रण आकार Printing Size	... 3.56×2.54 सें० मी० cms.
प्रति शीट संख्या Number per issue Sheet	... 35
रंग Colour	नीला और मैरून ... Blue and Maroon
छिद्रण Perforation	... 13×13
जलचिह्न Watermark	... बिना जलचिह्न वाले कागज़ पर मुद्रित ... Printed on unwater-marked paper
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	... फोटोग्रेव्योर Photogravure

मुद्रित टिकटों की संख्या
Number Printed ... 30,00,000
डिज़ाइन और मुद्रण
Designed and Printed at ... भारत प्रतिभूति मुद्रणालय
India Security Press

भारतीय डाक-तार विभाग

INDIAN POSTS & TELEGRAPHS

मूल्य 10 पै०
Price 10 P.

Produced by the Directorate of Advertising & Visual Publicity, Ministry of I. & B., Govt. of India, New Delhi for the Indian Posts & Telegraphs Department and printed at the National Printing Works, 10, Daryaganj, Delhi-6.
No. 9/21/68-PIV (Bilingual) 45,000-Dec. '68